Regarding Need to provide eco-restoration in four rivers of Mumbai, Maharashtra under Namami Gange like scheme-Laid

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर (मुम्बई उत्तर-पश्चिम) : मुंबई में मीठी, दहीसर, पोइसर और ओशिवारा जैसी चार प्रमुख नदियां हैं, जो कभी शहर की जीवनरेखा थीं और प्राकृतिक जल निकासी का मुख्य स्रोत थीं । लेकिन आज यह अत्यंत चिंता का विषय है कि अनियंत्रित शहरीकरण के कारण ये नदियां अब केवल बड़े जहरीले खुले नालों में तब्दील हो गई हैं, जिससे आसपास रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है और प्रदूषित पानी सीधे अरब सागर में मिलकर समुद्र को नष्ट कर रहा है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण वर्सोवा बीच की दुर्दशा है जो प्रदूषण के कारण बर्बाद हो रहा है । BMC प्रतिवर्ष इन नदियों की सफाई और मॉनसून पूर्व गाद निकालने पर 400 से 600 करोड़ रुपये खर्च करती है, फिर भी STP की कमी के कारण गंदा पानी सीधे नदियों में जा रहा है । मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि नमामि गंगे परियोजना की तर्ज पर मुंबई की नदियों के लिए तत्काल एक विशेष पुनर्जीवन पैकेज की घोषणा की जाए, सीवेज को रोकने के लिए आधुनिक STP परियोजनाओं में तेजी लाई जाए और जलीय जैव-विविधता को बचाने के लिए Eco-Restoration को प्राथमिकता दी जाए । यदि लंदन की टेम्स नदी की तर्ज पर इन नदियों का सौंदर्यीकरण और वैज्ञानिक पुनर्जीवन किया जाए, तो यह हाल ही में बने कोस्टल रोड की तरह मुंबई के पर्यटन को नई ऊंचाइयां देगा ।